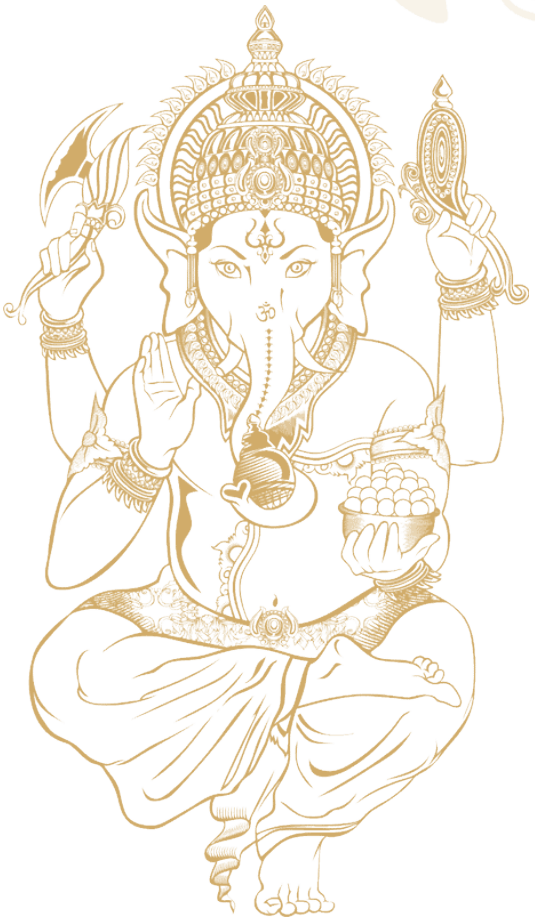

????

21 Mar 2001

05:05 PM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121610602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/03/2001**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**17:05:00 घंटे**
इष्ट	26:21:38 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:35:56 घंटे
वेलान्तर	-00:07:12 घंटे
साम्पातिक काल	04:32:10 घंटे
सूर्योदय	06:32:20 घंटे
सूर्यास्त	18:40:39 घंटे
दिनमान	12:08:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:02:39 मीन
लग्न के अंश	16:42:46 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गी-गीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	16:42:46	317:17:46	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			मीन	07:02:39	00:59:35	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मक	27:15:45	11:51:31	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	22:40:44	00:25:04	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	स्वराशि
बुध			कुंभ	11:35:48	01:21:12	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			वृष	12:00:07	00:09:21	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	20:42:46	00:29:11	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि			वृष	02:53:41	00:05:27	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	18:25:53	00:07:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	18:25:53	00:07:13	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष			मक	29:08:23	00:02:55	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	14:13:42	00:01:33	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:24:24	00:00:07	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	15:49:31	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:10

लग्न-चलित

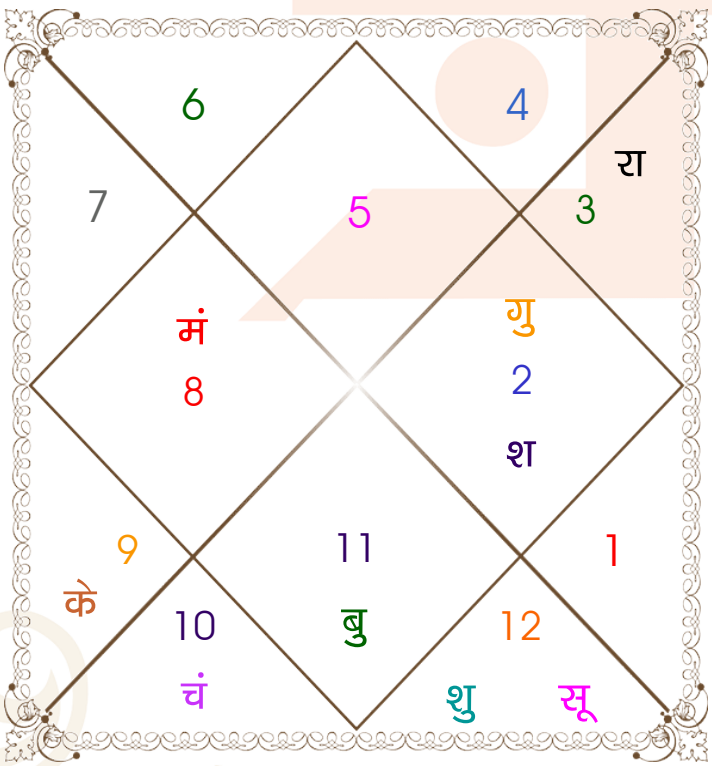

चन्द्र कुंडली

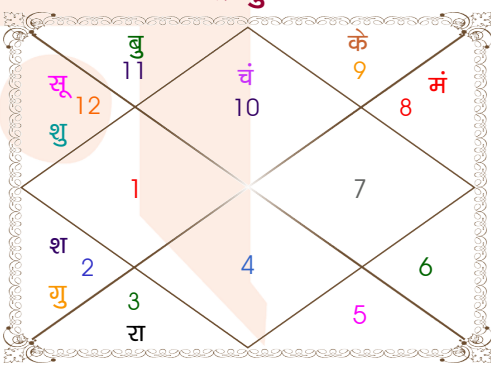

नवमांश कुंडली

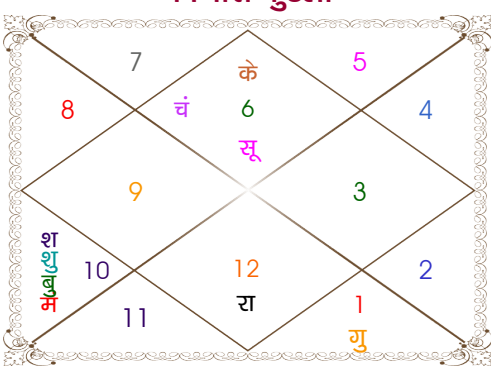

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 11 मास 7 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
21/03/2001		27/02/2006		27/02/2024		27/02/2040		27/02/2059	
27/02/2006		27/02/2024		27/02/2040		27/02/2059		27/02/2076	
	00/00/0000	राहु	09/11/2008	गुरु	16/04/2026	शनि	02/03/2043	बुध	25/07/2061
	21/03/2001	गुरु	04/04/2011	शनि	28/10/2028	बुध	09/11/2045	केतु	23/07/2062
गुरु	19/07/2001	शनि	08/02/2014	बुध	02/02/2031	केतु	19/12/2046	शुक्र	23/05/2065
शनि	28/08/2002	बुध	28/08/2016	केतु	09/01/2032	शुक्र	17/02/2050	सूर्य	29/03/2066
बुध	25/08/2003	केतु	15/09/2017	शुक्र	09/09/2034	सूर्य	30/01/2051	चंद्र	28/08/2067
केतु	22/01/2004	शुक्र	15/09/2020	सूर्य	29/06/2035	चंद्र	31/08/2052	मंगल	25/08/2068
शुक्र	23/03/2005	सूर्य	10/08/2021	चंद्र	28/10/2036	मंगल	10/10/2053	राहु	14/03/2071
सूर्य	28/07/2005	चंद्र	09/02/2023	मंगल	03/10/2037	राहु	15/08/2056	गुरु	19/06/2073
चंद्र	27/02/2006	मंगल	27/02/2024	राहु	27/02/2040	गुरु	27/02/2059	शनि	27/02/2076

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/02/2076		27/02/2083		28/02/2103		27/02/2109		28/02/2119	
27/02/2083		28/02/2103		27/02/2109		28/02/2119		00/00/0000	
केतु	25/07/2076	शुक्र	28/06/2086	सूर्य	17/06/2103	चंद्र	29/12/2109	मंगल	27/07/2119
शुक्र	24/09/2077	सूर्य	29/06/2087	चंद्र	17/12/2103	मंगल	30/07/2110	राहु	13/08/2120
सूर्य	30/01/2078	चंद्र	26/02/2089	मंगल	23/04/2104	राहु	29/01/2112	गुरु	22/03/2121
चंद्र	31/08/2078	मंगल	28/04/2090	राहु	18/03/2105	गुरु	30/05/2113		00/00/0000
मंगल	27/01/2079	राहु	28/04/2093	गुरु	04/01/2106	शनि	29/12/2114		00/00/0000
राहु	15/02/2080	गुरु	28/12/2095	शनि	17/12/2106	बुध	29/05/2116		00/00/0000
गुरु	21/01/2081	शनि	27/02/2099	बुध	23/10/2107	केतु	28/12/2116		00/00/0000
शनि	02/03/2082	बुध	29/12/2101	केतु	28/02/2108	शुक्र	29/08/2118		00/00/0000
बुध	27/02/2083	केतु	28/02/2103	शुक्र	27/02/2109	सूर्य	28/02/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 11 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।